FACULTY OF STUDIES BSF
Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– 1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2016/3551–69 *01 अप्रैल 2016*

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में चल रही कमाण्डो प्रतियोगिता को देखने से थम जाती है सांसें।

01 अप्रेल 2016 टेकनपुर। सीमा सुरक्षा बल अकादमी में छठवीं अखिल भारतीय कमाण्डो प्रतितयोगिता चल रही है। आज हुई प्रतियोगिता में तमिलनाडु पुलिस, गुजरात पुलिस, उड़ीसा पुलिस, सीआईएसएफ व सीसुबल की कमाण्डो टीमों ने अपना प्रदर्शन दिखाया। सभी टीमों ने अपने बेहतर प्रदर्शन से साबित कर दिया कि भारत के इन कमाण्डो के रहते देश के दुश्मन बच नहीं सकते वे देश के किसी भी कोने में छुपे हों कमाण्डो उसे ढूंढकर दुश्मन को बर्बाद करके ही दम लेते हैं।

इस स्पर्धा में कमाण्डो द्वारा दुश्मन को ढूंढना और उसे बर्बाद करना होता है। प्रतियोगिता में कमाण्डो को अपने कौशल का प्रदर्शन, प्राप्त सूचना के आधार पर दुश्मन के निकट पहुंचना, रास्ते की सभी बाधाओं को पार करना और अन्त में दुश्मन पर धावा बोलकर (अचानक हमला करके) दुश्मन को बर्बाद करना होता है। यह प्रतियोगिता चार चरणों में पूरी होती है। पहले चरण में ब्रीफिंग, दूसरे चरण में कॉन्फीडेंस कोर्स, तीसरे चरण में फायरिंग और अन्तिम चौथे चरण में स्माल टीम ऑपरेशन होता है। प्रत्येक टीम को स्पर्धा पूरी करने के लिए 4 घण्टे 45 मिनट का समय समय दिया जाता है। इस दिए गए समय में कमाण्डों टीम को सभी बाधाएं पार करना होता है। देखने वाली बात यह है कि इस स्पर्धा के लिए अकादमी में पहाड़ी व जंगल एरिया को चुना गया है। प्रतियोगिता में 1.3 किलोमीटर में फैले हुए कठिन ऑप्सटिकलों को पार करना होता है जो कि कमाण्डो की शारीरिक दक्षता को जाहिर करता है। प्रतियोगिता में शारीरिक भिटनेस का अहम रोल होता है क्योंकि प्रतियोगिता के दौरान कमाण्डो को तेज गति से दौंड़ना व रास्ते की रूकावट को पार करना होता है। प्रतियोगिता में कमाण्डो को मेप रीडिंग का ज्ञान होना आवश्यक है क्योंकि कमाण्डों द्वारा दुश्मन को मारगिराने के लिए दुश्मन की लोकेशन का पता अक्षांश व देशांत्तर रेखाओं के आधार पर ही किया जाता है। प्रतियोगिता में दुश्मन बनावटी होते हैं लेकिन स्पर्धा के दौरान कमाण्डो की गर्जना व एक्सन को देखकर आम नागरिक की सांसे धम सी जाती है।

प्रतियोगिता में पारदर्शिता हेतु स्पर्धा की हर मूवमेंट की रिकॉर्डिंग 15–20 वीडियोग्राफर/फोटोग्राफर द्वारा की जा रही है। कमाण्डों टीमों में एक टीम कमाण्डर के साथ लगभग 20–25 कमाण्डो होते है। कमाण्डर दुश्मन को बर्बाद करने के लिए एक रणनीति बनाता है जिसे ब्रीफिंग कहते हैं। ब्रीफिंग के बाद कमाण्डों अलग–अलग 19 ऑप्सटिकल पार करते हैं। ऑप्सटीकल पार करते समय कमाण्डो के पास राइफल के अलावा 10 से 15 किलों वजन होता है जिसे कमाण्डो अपन साथ रखकर सभी आप्सटीकल को पार करता है। रास्ते में इनकी मुठभेड़ दुश्मन से होती है। दुश्मन अपने एरिया के बारे में पूरी जानकारी रखता है अतः दुश्मन को भागने के लिए सभी रास्तों का पता होता है ऐसे में कमाण्डो टीम तेज गति से दुश्मन के नजदीक पहुंचकर उसे मारगिरात ह।

कमाण्डेंट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाश्न करते समय कृपया अधिकारियों के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाए।